गुजरात से हिंदी की सम्पूर्ण साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिका

ISSN - 2347 - 8764

विश्व गाथा

वर्ष : 13 जनवरी-फरवरी-मार्च 2026 अंक नंबर : 1

संपादक : पंकज त्रिवेदी

13 वर्ष

मुखपृष्ठ चित्र - देवयानी पंडित

परम वंदनीय श्री पंकज त्रिवेदी,

संपादक : विश्व गाथा (हिंदी साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिका), सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

सादर प्रणाम।

आप गुजराती साहित्य जगत में गणमान्य साहित्यकारों में अपना अविचल स्थान पर बिराजमान है। गुजराती साहित्य में विपुल सर्जन करने के बाद आप राजभाषा हिंदी में अपनी अथक मेहनत से योगदान दे रहे हैं। जिससे गुजरात ही नहीं, बल्कि भारतवर्ष में आपके चाहने वाले हिंदी साहित्य के जगमगाते सितारों के रूप में वंदित हैं।

'विश्व गाथा' का अक्टूबर - नवंबर - दिसंबर २०२५ का अंक मिला। यह सिर्फ़ त्रैमासिक पत्रिका ही नहीं, बल्के समृद्ध ग्रन्थ है, जिसमें साहित्य की विधा का निचौड़ करते हुए 'सागर में गागर' को चरितार्थ करता है।

हर व्यक्ति के निज रंग को बिखेरता हुआ संपादकीय लेख से शुरुआत होते ही पाठक किसी स्वप्नलोक में पहुँच गया हो ऐसा महसूस कराता है।

'बिजली और चूहा' कहानी गाँव के गरीब किसान की ज़िन्दा रहने की जद्दोजहद का दृश्य तादृश्य होता है। उर्दू कहानी 'जग्गा' प्रेमिका के पवित्र रूप के दर्शन करवाती है। 'फड़फ़डाट' कहानी में पत्थर फैक्टरी में काम कर रहे बंधवा मज़दूरों के दर्दनाक हालात को बयाँ करती है।

'नारी भक्षी' कहानी अंधश्रद्धा की जाल में फंसकर नर्क की यातना सहती ग्रामीण महिला की पीड़ा को व्यक्त करती है। 'गाँव की मुस्काती गलियां' कहानी हमें गाँव और देहाती लोगों की भावनात्मक दिव्यता के दर्शन कराती है, तो शिक्षा को समर्पित शिक्षक का चरित्र चित्रण और समाज में शिक्षक का श्रेष्ठतम स्थान निर्दिष्ट होता है। अन्य कहानियों में भी सामाजिक सरोकार के साथ कोई न कोई संदेश समाहित है।

'असली सरपंच' व्यंग्य में राजनिज्ञ की कड़वी सच्चाई को भिगोकर परोसा है।

संस्मरणों का विराट आसमां खुलते ही भावक के चित्त प्रदेश में बिजली चमक उठती है। 'बचपन और तीज त्यौहार' संस्मरण ने बचपन की यादें ताज़ा कर दी। 'डासना' में लेखक ने अपनी निजी अनुभूति व्यक्त की है। 'गाँव की बरात' संस्मरण में ५०-६० साल पहले के युग का अदभूत माहौल का सामाजिक परिवेश को हृदयस्पर्शी आलेखन से उभारा है। 'साधो ई मुर्दन को गाँव' में दर्दभरी दास्तान को उजागर की गई है। 'गाँव के बढ़ते चरण' में गाँव का वास्तविक और सटीक चित्रण किया गया है। 'बचपन की यादें' में भी ग्राम्य जीवन की झाँखी उभर रही है। अन्य संस्मरण भी भावक के मन की भूमि को भिगोने में सफल है।

'साहित्य सलिला के तट पर संस्कृति तीर्थ' ललित निबंध तराशी हुई रचना है, जो अपने आप में पूर्ण सृजनकर्म है।

लघुकथा, समीक्षा, आलेख, कविता- सभी साहित्यिक विधा से सजाया हुआ भरापूरा रसथाल है - 'विश्व गाथा!' इसे पढ़कर मैं धन्य हुआ इससे बड़ी ख़ुशी क्या होगी?

माननीय पंकज जी, आपकी समूची सृजन प्रक्रिया मानवीय संवेदन, सामाजिक सरोकार और जगत कल्याण की भावना को पुष्ट करती है। साहित्य के सभी स्वरूपों को संजोकर आप अनमोल मोतियों की माला बनाकर 'विश्व गाथा' के माध्यम से माँ सरस्वती को अर्पण करते हैं। आपकी साहित्य प्रीति और सेवाकर्म को सौ सौ सलाम है।

आज के दौर में बड़ी-बड़ी संस्थाएं के लिए भी पत्रिका निरंतर प्रकाशित करना मुश्किल हो रहा है, और सोशल मीडिया के ज़माने में आप 'एकलवीर' की भाँति, किसीका भी साथ-सहकार लिए बिना, सरकारी सहाय के बिना ही संघर्षपूर्ण परिश्रम करते हुए 'विश्व गाथा' त्रैमासिक पत्रिका पिछले १२-वर्षों से निरंतर प्रकाशित कर रहे हैं, यह वाकई चमत्कार से कम नहीं है। साथ ही १३वें वर्ष में प्रवेश करते मेरी दिली शुभकामना है कि यह पत्रिका क्रमशः अपने मुकाम हांसिल करें।

आदरणीय पंकज जी, आपको, आपके व्यक्तित्व को और आपके कार्य को शतशत नमन। आपके सृजनकर्म से समग्र झालावाड़ (सुरेन्द्रनगर जिला), गुजरात और राष्ट्र भी गौरवान्वित है। आप ऐसे ही हिंदी साहित्य की सेवा करते रहें ऐसी हमारी अभिलाषा है। आपको बारंबार वंदन।

***

राजु कानाणी

'हेम हीरवा', पाटीदार संस्कृति सोसायटी-३, मालोद चौकड़ी, बायपास राजकोट रोड, रतनपर, सुरेन्द्रनगर

मो. ८४६९४८३४६३

जनवरी-फरवरी-मार्च 2026

वर्ष – 13 * अंक – 1

संपादक

पंकज त्रिवेदी

*

मुखपृष्ठ

देवयानी पंडित

*

मुखपृष्ठ-3

किशोर अग्रवाल

*

सदस्यता

वार्षिक 600/- दो वर्ष 1200/-

5-वर्ष: 3000/- आजीवन 15000/-रुपये

*

आजीवन सदस्यता

15,000/- रुपये

(डाक खर्च सहित)

*

सिर्फ सदस्यता प्राप्त करने हेतु नंबर

Paytm - Google Pay

09662514007

*

विश्वगाथा C/o. पंकज त्रिवेदी

गोकुलपार्क सोसायटी,

80 फीट रोड, सुरेन्द्रनगर 363002

(गुजरात-भारत))

*

vishwagatha@gmail.Com

*

Mo: **Calling & What's app**

08849012201

*

सहायक : श्रेणिक शाह

मार्गदर्शक : बिन्दु भट्ट / भावना भट्ट

*

अनुक्रमणिका

संपादकीय : पंकज त्रिवेदी - 03

*

आपके पत्र

पेज– 6 से 8 और मुखपृष्ठ - 2

आलेख :

अवधेश तिवारी - 09

कृष्ण कुमार यादव - 11

कहानी :

डॉ. यशोधरा भटनागर - 14

राधा जनार्दन - 16

महेन्द्र तिवारी - 19

कुंतल भट्ट - 22

तस्लीम मन्सूरी - 24

शराफ़त अली खान - 27

संदीप तोमर - 30

विजय कुमार तिवारी - 31

कृष्णलता सिंह - 38

आभा दवे - 42

अर्चना त्यागी - 43

अरिमर्दन कुमार सिंह - 45

व्यंग्य उपन्यास अंश :

अरविंद तिवारी - 47

हास्य-व्यंग्य एकांकी :

महावीर राजी - 50

व्यंग्य :

ब्रजेश कानूनगो - 53

सुभाष चंदर - 54

दिनेश गंगराड़े - 55

नंदन पंडित - 56

एकता शर्मा - 58

रमेश जोशी - 59

कविता :

बेबाक बोल– एस पी सिंह - 60

मृदुल लता श्रीवास्तव - 60

सुधीर सक्सेना - 61

नोरिन शर्मा - 63

सुशांत सुप्रिय - 63

संजय तराणेतर - 64

मृदुल संजय - 64

अशोक सिंह - 65

नवीन माथुर पंचोली - 77

रिपोर्ताज :

पंकज 'वसंत' - 67

समीक्षा :

मल्लिका मुखर्जी - 75

निबंध :

भावना भट्ट - 78

संस्मरण :

आशीष दशोत्तर - 80

लघुकथा :

श्रद्धा जलज घाटे - 21

आरती गोहिल - 37

नयना डेलीवाला - 41

अभिषेक जैन - 44

निशा भास्कर - 46

डॉ. सुनील सावन - 52

डॉ. प्रदीप शशांक - 74

झकास :

धर्मपाल महेन्द्र जैन - 82

'विश्व गाथा' में सभी साहित्यकारों का स्वागत है। आप अपनी मौलिक रचनाएँ ही भेजें, साथ में अपना चित्र और परिचय भी। रचनाएँ भेजने से पहले, पूर्व अंकों का अवलोकन जरूर करें। प्रकाशित रचनाओं के विचारों का संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक पर होगा। विवादित या अन्य सामग्री चयन अधिकार संपादक का होगा। प्रकाशित रचनाओं पर कोई पारिश्रमिक भुगतान नहीं होगा। **पत्रिका में प्रकाशित सामग्री रचनाकारों के निजी विचार हैं, संपादक या संपादन मंडल-प्रकाशक का उनसे सहमत होना बिलकुल अनिवार्य नहीं है। यह अवैतनिक और अव्यावसायिक पत्रिका है।**

*

© Editor, Printer & Publisher : Pankajbhai Amrutlal Trivedi , Gokulpark Society, 80 Feet Road, Surendranagar-363002 (Gujarat) Owner by : Pankajbhai Amrutlal Trivedi, Printed at Nidhiresh Printery, 23, Medicare Complex, Nr. A-One Garage, Surendranagar. Published at Gokulpark Society, 80 Feet Road, Surendranagar-363002 (Gujarat) Jurisdiction : Surendranagar (Gujarat)

सदस्यों के लिए सूचना

'विश्व गाथा' त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका का यह 13वाँ वर्ष है। अहिंदी क्षेत्र गुजरात से निरंतर प्रकाशित होती है। **आपको भेजी जाती पत्रिका में आपके ही एड्रेस के ठीक ऊपर आपकी सदस्यता अवधि की समाप्ति के लिए भी सूचना होती है।** कृपया उसे जरुर देखें और समय पर अपनी सदस्यता की निरंतरता बढाएं। सदस्यता प्राप्त करने के लिए जरुरी बैंक और ऑनलाइन विवरण इसी पन्ने पर अन्य कॉलम में दिया गया है।

देश में डाक व्यवस्था बिलकुल चरमरा गई है यह अनुभव आपको भी होगा, इसलिए साधारण डाक नहीं सिर्फ रजिस्टर्ड पोस्ट से ही पत्रिका भेजनी पड़ती है। नहीं मिलने पर पोस्ट ऑफिस का संपर्क करें। त्रैमासिक पत्रिकाओं के लिए सरकार से कोई भी विज्ञापन नहीं मिलता। सोशल मीडिया के ज़माने में निजी उद्योग और अन्य व्यावसायिक विज्ञापन मिलना तो मानो असंभव हो गया है। इसलिए आज के दौर में प्रिंट पत्रिका का प्रकाशन न सिर्फ साहस का कार्य है बल्कि ज़िद्द भी है। ऑनलाइन निम्न वेबासाइट से पीडीऍफ़ ख़रीद सकते हैं -

https://notnul.com/Pages/Home.aspx

साहित्यकारों के लिए सूचना

'विश्व गाथा' पत्रिका त्रैमासिक होने के कारण इन महीनों में प्रकाशित होती है– **जनवरी-अप्रैल-जुलाई-अक्टूबर।** रचना भेजने के बाद कम से कम 3-महीने में उत्तर न मिले तो रचना को अस्वीकृत मान लेना उचित होगा। जिनकी भी रचना स्वीकृत होती है, उन्हें कॉल - मैसेज के द्वारा सूचना दी जाती है।

रचना के साथ रचनाकार का छायाचित्र, पूरा एड्रेस, पिनकोड एवं मोबाईल नंबर अवश्य भेजना होगा।

रचना चोरी की शिकायत मिलेगी तो रचना भेजने वाली व्यक्ति ही ज़िम्मेदार होगी और उनका नाम हमेशा के लिए 'विश्व गाथा' परिवार से हटाया जाएगा।

'विश्व गाथा' पत्रिका का मूल उद्देश्य विश्व साहित्य को बढ़ावा देना, भाषा और संस्कृति को जोड़ना है। साथ ही संगीत, चित्रकला, नाट्यकला एवं सामजिक सरोकार में अपना विचार प्रकट करना भी है। आदि सांस्कृतिक रचनाओं को भी स्थान दिया जाता है।

इस पत्रिका के माध्यम से सभी भाषा के और हर उम्र के पाठकों को जोड़ना है। यह अव्यवसायिक एवं पारिवारिक पत्रिका है, इसलिए सोशल मीडिया के ज़माने में बच्चों को पठन के साथ संस्कार भी मिले यह प्रयास है। जब आप लोगों का सहयोग मिलेगा तभी तो सफलता की गूँज देश-दुनिया में सुनाई देगी।

*

Vishwa Gatha

विश्व गाथा

(हिन्दी साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिका)

Membership for Magazine

*

1-Year Rs. 600/-

5-Years Rs. 3000/-

Life Time Rs. 15,000/-

(Including Postal Charges)

*

Bank Detail

Bank Name : State Bank of India

Account Name : **VISHWAGATHA**

Account Number : **38 77 15 23 839**

Branch Code : 16063

IFSC Code : **SBIN0016063**

*

Payment Google Pay & Paytm : & Contact Number Mobile - 09662514007

*

Address

Vishwa Gatha C/o. Pankaj Trivedi
Gokulpark Society, 80 Feet Road,
Surendranagar-363002 Gujarat

*

vishwagatha@gmail.com